

**सहूलत स्त्री.** (अर.) सहूलियत।

**सहूलियत स्त्री.** (अर.) सरलता, सुगमता, आसानी।

**सहृदय वि.** (तत्.) 1. अच्छे हृदय वाला, मानवता युक्त 2. करुणायुक्त हृदय वाला 3. साहित्य, संगीत, कला संस्कृति की परख रखने वाला, साहित्य-कलादि के प्रति संवेदनशील पुं. 1. साहित्यिक व्यक्ति 2. गुणग्राही व्यक्ति 3. रसिक व्यक्ति।

**सहृदयता स्त्री.** (तत्.) दयालुता, करुणा, चित्र की कोमलता, रसज्ञता।

**सहेज पुं.** (देश.) जामन, जावन स्त्री. सहेजने की क्रिया या भाव।

**सहेजना स.क्रि.** (देश.) संभालना, जाँचना, कोई चीज सचेत, सावधान करके सौंपना, सुपुर्द करना।

**सहेजवाना स.क्रि.** (देश.) सहेजने का काम किसी से कराना, सुपुर्द कराना।

**सहेट पुं.** (देश.) दे. सहेत।

**सहेत पुं.** (देश.) प्रेमी-प्रेमिका के मिलने का निश्चित स्थान, संकेत-स्थान।

**सहेतु वि.** (तत्.) सप्रयोजन, युक्तियुक्त, कारणयुक्त अव्य. हेतुसहित।

**सहेतुक वि.** (तत्.) सकारण, सोद्देश्य, जो निरर्थक न हो।

**सहेलरी स्त्री.** (देश.) सखी, सहेली।

**सहेली स्त्री.** (तद्.) 1. सहचरी, साथ रहने, घूमने, खेलने वाली सखी, साथिन, दासी, सेविका 2. एक छोटी चिड़िया जिसकी पीठ और गले का कुछ भाग तथा डैने काले होते हैं, शेष शरीर नर में चटक लाल रंग का तथा मादा में पीले रंग का होता है टि. 'सहेली' चिड़िया उड़ते समय संगीतमय 'स्वी-स्वी' निकालती है, जिसे बुलालचश्म भी कहा जाता है।

**सहैया वि.** (तद्.) सहने वाला, सह सकने वाला, सहनशील वि. (तद्.) सहायक, मददगार।

**सहोक्ति स्त्री.** (तत्.) साथ बोलना, 'सह' के साथ कथन, एक अर्थालंकार, जहाँ संग, सहित, सह, साथ आदि पदों से अनेक पदार्थों के साथ एक ही क्रिया का प्रयोग चमत्कारपूर्ण होता है। इसमें एक ही क्रियापद के अनेक अर्थों में एक ही अर्थ प्रधान होता है, इस अलंकार के मूल में अतिशयोक्ति तो होती ही है, उपमा भी गम्य होती है।

**सहोद पुं.** (तत्.) 1. जो चोरी के माल के साथ पकड़ा गया हो 2. बारह प्रकार के पुत्रों में से एक (जो विवाह के पूर्व के गर्भ से उत्पन्न हुआ हो)।

**सहोत्पाद पुं.** (तत्.) किसी उद्योग में प्रमुख उत्पाद के साथ तैयार होने वाला कोई अन्य उत्पाद।

**सहोत्साह क्रि.वि.** (तत्.) उत्साहपूर्वक, उमंग के साथ।

**सहोदक वि.** (तत्.) एक साथ तर्पण करने वाले, एक ही पूर्वजवाले सातवीं पीढ़ी तक के संबंधी सहोदक होने के साथ-साथ सपिंड होते हैं।

**सहोदर वि.** (तत्.) एक ही माता से उत्पन्न, सगा, एक जैसा पुं. सगा भाई।

**सहोर पुं.** (तद्.) एक प्रकार का जंगली पेड़, सिंहोर का पेड़, साधु, संत वि. उत्तम, बढिया।

**सह्य वि.** (तत्.) जिसे सहा जा सके, सहन करने में समर्थ, जिसे सहना चाहिए, प्रिय, समर्थ पुं. सहायता, आरोग्य।

**सह्याद्रि पुं.** (तत्.) महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट नामक पर्वत-श्रेणी का एक भाग, जो समुद्र-तट के समीप स्थित है।

**सांकरिक वि.** (तत्.) वर्णसंकर।

**सांकल्पिक वि.** (तत्.) कल्पना पर आधारित, कल्पना प्रसूत।

**सांकेतिक वि.** (तत्.) 1. संकेत संबंधी, संकेतवाला, व्यवहार सिद्ध 2. शब्द की अभिधा शक्ति से